

संबंध- टूट (Break- Up) - मैथिली कविता
अमरनाथ झा “बक्शी”

संबंध- टूट (Break- Up)

बुच्ची दुखी कियै छह!

उजरैत संसार।

भयाबह अनुभूति ।

असह्य पीड़ा।

पर तोहर कोन दोख?

डरै के नै छै !

उबरs! एहि आत्मघात सं !

जीबs एहि सुंदर जीवन के।

बदलैत अनुभवक शृंखला के।

पलटैत दुःख सुखक पलटी के।

UPLOADED BY MITHILA STATE FOUNDATION USA